श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

तृतीय वर्ष - अभ्यास - ५

अक्तुबर - २०१९
गुणांक - १००

प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगें, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है ।

२०

प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो -

१. सूरि को ..... जान राजा ने उनके पैरों पर गिरकर राजकुमार को खोज देने की करुणा भरी याचना की ।
२. उपशांत मोह गुणस्थानक में सूक्ष्म लोभ को संपूर्णतया ..... करता है ।
३. राजाओ ..... तथा भंडार वाले हो ।
४. कितने ही .....है, वो कहते हैं की आत्मा बंधी हुई नहीं है ।
५. गर्भज तिर्यंच और देवताओं को ..... समुद्घात होता ही नहीं ।
६. परमार्हत के रुप में ..... इतिहास में अपूर्व कीर्ति प्राप्त की है ।
७. देवेन्द्रो के मुकुटों के द्वारा पूजित चरणवाले पू. ..... को नमस्कार हो ।
८. राजहंस ..... में मग्न होता है, वैसे ही ज्ञानी ज्ञान में अत्यन्त मग्न रहता है ।
९. गुरुदेव ने ..... सहायक मुनि साथ में देकर आज्ञा दी ।
१०. मोहजनित प्रमाद ..... को प्राप्त करता है ।
११. जिनशासन में विस्मृत हो रहे ..... के धर्म का उद्योत करेगा ।
१२. परमात्मा के वचनों में श्रद्धा भी न हो अश्रद्धा भी न हो वह ..... है ।
१३. नववे, दसवे देवलोक तक ..... संघयण वाले जाते हैं ।
१४. हमारी स्वयं की कौनसी और कैसी क्रियाओं में वीर्य ..... होता है ।
१५. ..... की गयी मंत्रसाधना जल्दी सिद्ध होती है ।
१६. दो अज्ञान ..... को होते है ।
१७. सूरि के संकेत से राजा को उसका ..... मिल गया ।
१८. जो ज्ञान और क्रिया का सुंदर ..... करके जीवन को धन्य बनाती है, मानव जीवन को सफल बनाती है ।
१९. पांच योग ..... को होते हैं ।
२०. राजा कुमारपाल ने गुरुभक्ति से पाटण में ..... नाम का प्रथम जिनालय बनाया ।

१५

प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो -

१. लवसत्तमिया किनको कहते है ?
२. पदार्थ को समझने की और स्वीकार करने की अपनी मान्यता या झुकाव क्या है ?
३. जब तक ज्ञान नहीं हैं तब तक यह जीव किस अंधकार में भटक रहा है ?
४. सोमचन्द्रमुनि और देवेन्द्रसूरि ने गुरुदेव से कहाँ जाने की आज्ञा मांगी ।
५. सोलह विद्यादेवियों से किसकी याचना की गई है ?
६. आगम प्रणीत समाचारी के समर्थ परिशोधक एवं पथदर्शक कौन थे ?
७. क्षायिक अथवा क्षायोपशमिक सम्यक्त्व अथवा चारित्र किस गुणस्थान में नहीं होता ?
८. हम किसके द्वारा इस संसार का नाश कर सकते है ?
९. किसके आग्रह से "सिद्ध हेम" व्याकरण की रचना की ?
१०. एकेन्द्रिय जीवों को किसकी संभावना नहीं है ?
११. उपशम श्रेणी वाला साधक चार गुणस्थानको से च्यवकर कौन से गुणस्थान में जाता है ?
१२. मर्यादा में रहे हुए रुपी पदार्थो के सामान्य धर्म को इन्द्रिय या मन बिना जानने की जीव की शक्ति क्या है ?
१३. मरकी का उपद्रव किस नगर में फैला हुआ था ?
१४. ज्ञान को सफलता की और खींच कर कौन ले जाता है ?
१५. उत्तरासंग के पल्लु से भूमि का प्रमार्जन करके वस्त्रांचल से वंदना किसने की ?

१०

प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो -

१. अन्नाण २) सुअे ३) कलत्र ४) पण ५) सहनन ६) शुंकरः ७) प्रीयन्तां ८) तिगं ९) प्रज्ञापि १०) च्यवते ११) तत्रापुर्व १२. आयतन १३) मराल १४) दौर्मनस्य १५) मिच्छिति १६) निमज्जति १७) मोहोदयं १८) दुरितानि १९) च २०) त्यज्ञः

प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) - १०

A	B	A	B
१) समयज्ञ	१) पुत्रकामेष्टि यज्ञ	६) कार्मण काययोग	६) शुक्लध्यान
२) अविरोहण	२) मांगल्य	७) नवकार मंत्र	७) स्पंदन
३) पाप	३) सोमचंद्र मुनि	८) अभ्युदय	८) शुष्कज्ञानी
४) आख्यायिका	४) ब्रह्ममुहुर्त	९) बोधामृत	९) वायुकाय
५) वरुण	५) ब्रह्मचारीजी	१०) स्फूरण	१०) लोकपाल

प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो - १०

१. योग के उत्तर भेद कितने है ?
२. चंगदेव की दीक्षा किस तिथिं को हुई ?
३. किस गुणस्थानक से दो श्रेणी का प्रारंभ होता है ?
४. कितने ग्रहो को "प्रसन्न हो " ऐसा कहा है ?
५. सिद्ध हेम व्याकरण की नकलें कितने नकलकारों से लिखवाई ?
६. उपशांत मोह गुणस्थानक में कितनी प्रकृति का बंध है ?
७. गोदुहकुमार की दीक्षा किस वि.सं. में हुई ?
८. ज्ञान अज्ञान देवों के कितने दंडक में हैं ?
९. कलिकाल सर्वज्ञ ने माता साध्वीजी की पावन स्मृति में कितने नवकार मंत्र के जाप का संकल्प किया ?
१०. परमात्मा ने मोक्ष का मार्ग कितने बताये हैं ?

प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही (✓) हैं या गलत (×) बताओ - १०

१. किलीका संघयण वाले साधक छठवे, सातवे देवलोक तक जाते हैं ।
२. सद्गुरु जीव को जागृत करते है कि क्रियाजड होना नहीं ।
३. गर्भज तिर्यंच और देवताओं को औदारिक लब्धि नहीं होती ।
४. महाराज ! आप दोनों मालव देश जाओ, वहाँ अनेक मांत्रिक एवं तांत्रिक है ।
५. देवेन्द्रों के मुकुटों के द्वारा पूजित चरणवाले पूज्य शांतिनाथ भगवान को नमस्कार हो ।
६. जैन शासन को शिथिलाचार के नागपाश में से बचाने वे मथ रहे थे ।
७. उपशान्तादि चार गुणस्थानों से च्यवकर मिश्र गुणस्थानक में जाता है ।
८. मार्ग का जानकार भी चरणक्रिया बिना इच्छित स्थान को नहीं पाता है ।
९. यह साधु पुरुष उन्हें कोई महान मंत्र सिद्ध पुरुष लगा ।
१०. यदि शास्त्र में कहे अनुसार आचरण करे तो लाभ होगा या गैरलाभ होगा ?

प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो - १०

१. जिसने भव में दो वक्त उपशम श्रेणी की हो वह जीव क्षपक श्रेणी नहीं करता ।
२. पर के संग से बंध होता है, परभाव के त्याग से मोक्ष होता है ।
३. परमात्मा के वचनों में संपूर्ण श्रद्धा होती है वह सम्यगदृष्टि है ।
४. यदि आपश्री आज्ञा दे तो आगम अनुसार साधु जीवन जीकर उसी का सर्वत्र प्रचार करुं ?
५. दुसरे मार्ग में कर्मो को दबाने की बजाय जीव कर्मक्षय करता हुआ आगे बढता है ?
६. जिन्होंने अठ्ठारह देशों में अमारि प्रवर्तन की घोषणा करायी ।
७. तुम्हें हमेशा तुष्टि हो, पुष्टि हो, ऋद्धि मिलो, वृद्धि मिलो ।
८. जहर को जहर जानने के बाद उसका त्याग करने में ही ज्ञान की सफलता है ।
९. प्रथम वज्रऋषभनाराच संघयण वाले मोक्ष तक जाते हैं ।
१०. बहुत ही विरल विभुतियां ऐसी होती हैं, जो ज्ञान और क्रिया का सुन्दर समन्वय करके जीवन को धन्य बनाती हैं ।

प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ - १५

१. "अचलगच्छ" संबोधन किस तरह मिला ? २) ज्ञान और अज्ञान द्वार समझाओ ।
३. मोक्ष का मार्ग ज्ञान और क्रिया द्वारा प्राप्त होता है । ४) उपशांत मोहनीय च्यवन समझाओ ।
५. श्री हेमचंद्राचार्यजी का साहित्य सर्जन, नवकार आराधना और योगविद्या समझाओ ।

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :
शत्रुंजय अेकेडमी श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालिसगाँव - ४२४१०१ जिल्हा : जलगांव,
मो. ९०२८२४२४८४. सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com